Rajasthan Patrika

EDII

February 17, 2022
Pg.7

हॉबी को ताकत मानते हुए बिजनेस की करें शुरुआत - सरीन

महिला उद्यमियों ने सीखा, कैसे बिजनेस के लिए जुटाएं फंड

निशुल्क ट्रेनिंग से छोटे-छोटे व्यवसाय करने वाली महिलाओं को बिजनेस आगे बढ़ाने में मिल रही है मदद

पत्रिका बिजनेस बूस्टर

राजस्थान पत्रिका

Entrepreneurship Development Institute of India

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. बिजनेस बूस्टर ट्रेनिंग कार्यक्रम में बुधवार को फैशन एवं टेलरिंग से जुड़ी महिला उद्यमियों ने जाना कि कैसे बिजनेस के लिए फंड एकत्रित किया जा सकता है। ईडीआइआइ के प्रोफेसर और प्रोजेक्ट प्रभारी (गवर्नमेंट) डॉ. एस.बी. सरीन ने बताया कि फंड के लिए महिला उद्यमी खुद को पहले एमएसएमई पर रजिस्टर करें और अपने बिजनेस के अनुसार स्टैंडअप लोन, मुद्रा लोन, एमएसएमई लोन, पीएम स्वनिधि लोन आदि के लिए अप्लाई कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि कैसे लोन लिया जा सकता है। प्रो. सरीन ने बताया कि महिलाएं सिडबी और उद्यमी मित्र आदि दूसरी योजनाओं से कैसे मदद ले सकती हैं। प्रो. सरीन ने कहा कि महिला उद्यमियों को अवसर का ध्यान रखना चाहिए। जब मौका मिले तब ही बिजनेस को बढ़ाएं। साथ ही कहा कि महिला उद्यमी पहले अपनी हॉबी को पहचानें और उसको ही ताकत मानते हुए बिजनेस की शुरुआत करें।

नीलम शेखावत

रश्मि गुप्ता

सीकर की महिला उद्यमी नीलम शेखावत ने कहा कि इस तरह का प्रशिक्षण जीवन में पहली बार मिल रहा है। यह बिजनेस को बढ़ाने में काफी मदद करेगा। महज तीन दिन की ट्रेनिंग में बहुत जानकारी मिल गई है। बैच के सभी साथी ट्रेनिंग को लेकर काफी उत्साहित हैं। भोपाल की रश्मि गुप्ता ने कहा कि मुझे उम्मीद नहीं थी कि छोटे-छोटे बिजनेस करने वाली महिला उद्यमियों के लिए इतनी अच्छी ट्रेनिंग वह भी निशुल्क में दी जा सकती है। हम लोग काफी समय से 'पत्रिका' पढ़ते हैं। इस तरह की ट्रेनिंग के लिए पत्रिका परिवार और ईडीआइआइ को बहुत-बहुत धन्यवाद।